न्यूज डायरी

बेलारूस की सीमा पर मंडराया पोलैंड के हमले का खतरा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉर्सा। यूरोपीय संघ के सदस्य्य पोलैंड और रूस के अभिन्न मित्र बेलारूस के बीच भीषण जंग का खतरा मंडराने लगा है। बेलारूस के भारी तादाद में सीमा पर सैनिक तैनात करने की सूचना मिलने के बाद पोलैंड ने भी अपने भारी हथियारों से लैस 15 हजार सैनिक सीमा पर भेजे हैं। पोलैंड ने आरोप लगाया है कि बेलारूस उनकी सीमा में आ रहे शरणार्थियों को हथियार दे रहा है ताकि वे ताकत के बल पर घुस जाएं। बताया जा रहा है कि पोलैंड के सैनिक आज इन हथियारबंद शरणार्थियों के खिलाफ ऐक्शन ले सकते हैं। दोनों तरफ के लोगों के पास हथियार हैं, इससे इस बात का खतरा बढ़ गया है कि खूनी हिंसा हो सकती है। पोलैंड से आ रही खबरों में यह भी दावा किया जा रहा है कि बेलारूस की ओर से शरणार्थियों को निर्देश दिया गया है कि वे कुजनिका सीमा पर हमला करें।

दुबई एयर शो में भारतीय वायुसेना के सारंग ने दिखाया दम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। दुबई एयर शो में भारतीय विमानों ने धूम मचा रखी है। भारतीय वायु सेना की सारंग एयरोबेटिक टीम के प्रदर्शन से सभी हतप्रभ हैं। इस एयर शो को देखने पहुंचे लोग सारंग के करतब को बस देखते ही रह गए। इस दौरान आकाश में इंद्र धनुषी नजारा देखने को मिला। वहीं दुबई एयर शो में भारत के एलसीए तेजस ने भी सबको हैरान कर रखा है। तेजस ने इस एयर शो के उद्घाटन के दिन ही आसमान में कई कलाबाजियों का शानदार प्रदर्शन किया। इस एयर शो को अल मकतूम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर आयोजित किया जा रहा है। दुबई एयर शो के उद्घाटन समारोह के दौरान इसमें हिस्सा लेने वाली सभी टीमों ने फ्लाई पॉस्ट किया। इसे दुनिया का सबसे बड़ा एयरशो बताया जा रहा है। दुबई एयर शो में 20 देशों के पेवेलियन का निर्माण किया गया है। बताया जा रहा है कि इस दौरान कम से कम 160 कॉमर्शियल, मिलिट्री और प्राइवेट जहाजों को प्रदर्शित किया जाएगा।

पाकिस्तान में बढ़ रहे जबरन गायब करने के मामले, अक्टूबर में सामने आए 37 केस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान में जबरन गायब करने के मामले बढ़ रहे हैं। अक्टूबर के महीने में देश भर से अपहरण की 37 नई घटनाएं सामने आई हैं। द फ्राइडे टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, कमीशन आफ इंक्वायारी आन एनफोर्स्ड डिसएपीरियेंसेज ने अपनी मासिक रिपोर्ट में कहा है कि आयोग को अक्टूबर में देश भर से गुमशुदगी की 37 नई शिकायतें मिली हैं। अक्टूबर महीने के लिए आयोग के आंकड़ों में कहा गया है कि आयोग को पिछले महीने 30 मामले मिले थे– जिनमें से 18 व्यक्ति अपने घर लौट आए थे, 8 सुरक्षा बलों के नजरबंदी केंद्रों में कैद पाए गए, 3 जेलों में बंद हैं और एक व्यक्ति का शव मिला है। आयोग के आंकड़े बताते हैं कि कुल 14 मामलों को जबरन गायब होने के मामले नहीं माने जाने के कारण उन्हें हटा दिया गया था।

आम व्यक्ति से शादी करने वाली जापान की पूर्व राजकुमारी ने छोड़ा देश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) टोक्यो। अपना शाही दर्जा त्यागकर एक साधारण व्यक्तिसे शादी करने वाली जापान की राजकुमारी अपने पति के साथ अमेरिका के न्यूयार्क पहुंच गई हैं। नवविवाहित जोड़े को देश में आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था। पूर्व राजकुमारी माको कोमुरो और उनके पति केई कोमुरो टोक्यो के हनेदा हवाई अड्डे पर कैमरों के फ्लैश के बीच विमान में सवार हुए। जापान के प्रमुख समाचार चौनलों ने इसका सीधा प्रसारण किया।
केई कोमुरो श्फोर्दम यूनिवर्सिटी ला स्कूलश से स्नातक हैं और वह न्यूयार्क की एक ला फर्म में नौकरी करते हैं। हालांकि, उन्हें बार की परीक्षा अभी उत्तीर्ण करनी है और इसी को आधार बनाकर स्थानीय मीडिया ने उनपर हमला किया था।उन्होंने पिछले महीने टोक्यो में शादी का पंजीकरण कराने के बाद कहा था, मैं अपनी जिंदगी उस व्यक्ति के साथ गुजारना चाहता हूं, जिससे मैं प्यार करता हूं।

पीएम इमरान खान की गद्दारी चीन से बढ़ती यारी पड़ी भारी

चेतावनी

सांसदों ने कहा कि पहले पाकिस्तान चीन और अमेरिका के बीच संतुलन बनाता था, अब नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
इस्लामाबाद। इमरान खान का अमेरिका के खिलाफ बयान देना और चीन से बढ़ती नजदीकी पाकिस्तान के लिए भारी पड़ती जा रही है। पाकिस्तानी सांसदों ने चेतावनी दी है कि देश पर अमेरिका और उसके सहयोगी देशों का कहर बरप सकता है। सांसदों ने कहा कि पहले पाकिस्त्तान चीन और अमेरिका के बीच संतुलन बनाता था लेकिन इसका वांछित परिणाम नहीं सामने आया। पाकिस्तानी नीति निर्माताओं ने सांसदों को बताया कि अफगानिस्तान में अराजक तरीके से अमेरिका के वापस जाने से इस्लामाबाद और वॉशिंगटन के बीच संबंध रसातल में पहुंच गए हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान की संसद के एक सदस्य ने इमरान सरकार के एक अधिकारी के हवाले से कहा, अमेरिका के साथ रिश्ते इस समय सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। वह भी तब जब एक समय में पाकिस्तान अमेरिका का घनिष्ठ सहयोगी था। पाकिस्तान पहले दावा करता था कि वह अमेरिका और चीन के बीच पुल का काम करता है लेकिन अब उसकी यही भूमिका अब गले का फांस बन गई है। पाकिस्तानी निजाम को अब इस बात का अहसास हो गया है कि यह अब उतना आसान नहीं रहा।

संतुलन को बनाए रखना पाकिस्तान के लिए टेढ़ी खीरः चीन अब लगातार तेजी से हर मोर्चे पर अपना विकास कर रहा है और विश्ध्लेषकों का मानना है कि अमेरिका और ड्रैगन के बीच अगला शीतयुद्ध शुरू हो सकता है। ऐसे में दोनों के बीच संतुलन को बनाए रखना पाकिस्त्तान के लिए टेढ़ी खीर साबित होने जा रहा है। चीन पाकिस्तान में अरबों डॉलर का निवेश कर रहा है, ऐसे में इमरान सरकार उसे छोड़ भी नहीं सकती है। उधर, अमेरिका का आईएमएफ और अन्य वित्तीय संगठनों तथा एफएटीएफ पर बहुत ज्यादा प्रभाव है।

अमेरिका केवल एक इशारे से पाकिस्तान को कर्ज लेने से महरूम कर सकता है। वह भी तब जब इमरान खान सरकार को अरबों डॉलर के कर्ज की तत्काल आवश्यकता है। पाकिस्तानी नीति निर्माताओं का आकलन है कि अमेरिका पाकिस्तान पर प्रतिबंध लगा सकता है, आईएमएफ और एफएटीएफ में सख्ती बरत सकता है। यही नहीं आयात पर रोक लगाकर अमेरिका पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ सकता है। पाकिस्तान आईएमएफ से 6 अरब डॉलर का लोन मांग रहा है लेकिन यह उसे नहीं मिल पा रहा है।

बाइडन प्रशासन को रास नहीं आया इमरान खान का बयानः पाकिस्तानी अधिकारियों को यह भी डर है कि अफगानिस्तान में उसकी भूमिका के लिए अमेरिका उसे दंडित कर सकता है। अमेरिका ने पहले ही पाकिस्तान के साथ संबंधों को फिर से मजबूत करने से इनकार कर दिया है। पश्चिमी देशों के एक राजनयिक ने नाम नहीं बताने की शर्त पर कहा कि पाकिस्तान के पीएम इमरान खान का अफगानिस्तान से वापसी के बाद अमेरिका को लेकर दिया गया बयान बाइडन प्रशासन को रास नहीं आया है। उन्होंने कहा कि जले पर नमक लगाने की कोई जरूरत नहीं थी।

भारत के ब्रह्मोस मिसाइल तैनात करने से बौखलाया चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
बीजिंग। लद्दाख से लेकर अरुणाचल तक आंखें दिखा रहे चीनी ड्रैगन से निपटने के लिए भारत ने सीमा पर अपनी सबसे घातक ब्रह्मोस मिसाइल तैनात की है। भारत की इस तैनाती से चीनी ड्रैगन लाल हो गया है।

चीन के सरकारी भोंपू ग्लोबल टाइम्स ने चेतावनी दी है कि इससे दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने में बाधा आएगी और तनाव बढेघ्गा। ग्लोबल टाइम्स एक तरफ जहां ब्रह्मोस की तैनाती से बौखलाया हुआ है, वहीं उसने भारत के इस ब्रह्मास्त्र को बेकार करार दिया है। ग्लोबल टाइम्स ने दावा किया कि भारत की इस मिसाइल का केवल सैद्धांतिक फायदा है, जबकि चीन की सुरक्षा के लिए इससे कोई वास्तविक खतरा नहीं है। चीनी सेना के एक विशेषज्ञ सोंग झोंगपिंग के हवाले से ग्लोबल टाइम्स ने कहा, इसी वजह से चीन–भारत सीमा पर लगातार तनाव बढ़ रहा है और अवांछित सैन्य विवाद पैदा हो रहे हैं।

चीनी विशेषज्ञ यह दावा तब कर रहे हैं जब खुद चीनी सेना लगातार भारतीय सीमा पर अभ्यास कर रही है और बड़ी तादाद में लंबी दूरी मार करने वाले हथियारों को तैनात कर रही है। चीन ने भारतीय सीमा पर अपने कई किलर मिसाइलों को भी तैनात कर रखा है।

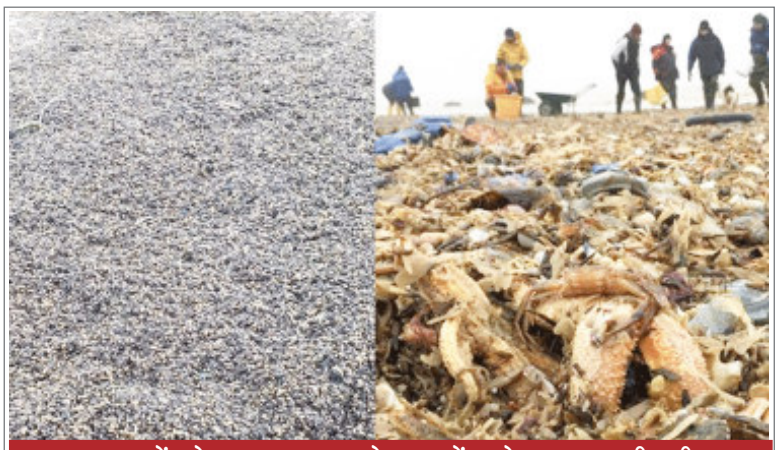

तट पर सालों से बहकर आ रहे हजारों मरे हुए समुद्री जीव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटेन के यॉर्कशायर इलाके के समुद्री तटों पर हजारों की तादाद में समुद्री जीवों की लाश पिछले कई वर्षों से बहकर आ रही है। इसमें शार्क, व्हेल जैसे विशाल जलीय जीवों की लाश शामिल हैं। पिछले महीने ही साल्टबर्न और मार्स्के तटों के बीच हजारों की तादाद में जिंदा और मरे हुए केकड़े तथा लॉबस्टर बहकर आ गए थे। इतनी बड़ी तादाद में समुद्री जीवों लाश आने से स्थानीय लोग और अधिकारी चकित हैं। इतनी बड़ी तादाद में केकड़े और लॉबस्टर आना असामान्य जरूर है लेकिन यह अकेली घटना नहीं है। पिछले 5 साल में ऐसी कई घटनाएं हुई हैं जिसमें सभी तरह के जीव यॉर्कशायर के तटों पर बहकर आए हैं।

फ्रांस में बलूचों ने किया पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेरिस। बलूचों के खिलाफ पाकिस्तान में चलाए जा रहे दमन चक्र के खिलाफ सोमवार को फ्रांस की राजधानी पेरिस में वहां बसे बलूचों ने विरोध प्रदर्शन किया। इन लोगों का कहना था कि पाकिस्तान सरकार बलूचों को मारना बंद करे। इनका आरोप था कि पाकिस्तान सरकार बलूचों की आवाज को दबाने के लिए उन्हें अगवा कर रही है और उन्हें मार रही है। उन्हें झूठे मामलों में फंसा कर सरकार फांसी पर लटका रही है।

बलूच शहीद दिवस के मौके पर प्लेस डे ला रिपब्लिक के सामने एकत्रित हुए इन लोगों के

बलूचों को मारना बंद करे पाकिस्तान

हाथों में प्लेकार्ड थे।

इन पर पाकिस्तान सरकार को बलूचों पर किए जा रहे जुल्मों को रोकने के बाबत स्लोगन लिखे थे। इसके जरिए इन लोगों ने न सिर्फ पाकिस्तान सरकार की असलियत को दुनिया के सामने लाने की कोशिश की बल्कि पाकिस्तान में रह रहे बलूचों के हालातों पर भी दुनिया का ध्यान खींचा। इनके हाथों में बलूचिस्तान का झंडा भी था।

आपको बता दें कि विदेशों में बसे बलूचिस्तान के लोग लंबे समय से आजाद बलूचिस्तान की मांग करते रहे हैं। विरोध प्रदर्शन करने वाले लोगों ने अपने हाथों में उन लोगों की तस्वीरें भी ली हुई थी जिन्हें पाकिस्तान सरकार या आर्मी ने किसी मामले में फंसा कर गायब कर दिया है। इनमें से कई लोग वर्षों से गायब हैं। इनको पहले पुलिस ने झूठे मामलों में फंसाया और फिर बाद में गिरफ्तार भी कर लिया। लेकिन इसके बाद से इनकी कोई खबर नहीं है। बलूचिस्तान में ऐसे लोगों की संख्या काफी है जिनके बारे में उनके परिजनों को कोई खबर नहीं दी गई है। इन लोगों पर संयुक्त राष्ट्र तक भी चिंता जता चुका है। गौरतलब है कि हर वर्ष 13 नवंबर को बलूच शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन आजादी की मांग कर रहे बलूचों पर पाकिस्तान सरकार का कहर टूटा था।

चिनफिंग और बाइडन की मीटिंग से पहले चीनी राजनयिक की चेतावनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके चीनी समकक्ष शी चिनफिंग सोमवार को वर्चुअली मीटिंग करने जा रहे हैं। दोनों देशों के बीच उभर रहे तनाव के बीच यह बैठक होने जा रही है। इस दौरान ताइवान, सैन्य नियंत्रण, व्यापार और मानवाधिकार जैसे कई मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इस बीच चीनी राजनियक ने ताइवान को लेकर अमेरिका को चेतावनी दी है। चीनी मीडिया टैबलायड ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक, एक वरिष्ठ चीनी राजनयिक ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा है कि वह चीन को घेरने के लिए ताइवान कार्ड इस्तेमाल न करे। टैबलायड ग्लोबल टाइम्स ने बताया कि चीनी विशेषज्ञों का अनुमान है कि बैठक में ताइवान का सवाल चिंता का प्रमुख विषय होगा। फूडन विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूट आफ इंटरनेशनल स्टडीज के डीन वू शिनबो ने रविवार को ग्लोबल टाइम्स से बात करते हुए कहा, श्यह कहना मुश्किल है कि क्या चीन और अमेरिका इस सवाल पर किसी सहमति पर पहुंचेंगे, लेकिन अमेरिका को एक–चीन सिद्धांत के अनुसार और चीन की चिंताओं के जवाब में कुछ ठोस वादे करने होंगे।